हंसराज कॉलेज
— दिल्ली विश्वविद्यालय —

**HANSRAJ COLLEGE**
**University Of Delhi**
**NAAC Grade A+ with CGPA 3.62**

# 2019-2020

**Name of the Department/Society:** **हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज महाविद्यालय**
**Name of the Event 1:** हिंदी साहित्य और पर्यावरण विषय
**Date of the Event:** 14th September 2019

प्रभारी : डॉ. राजेश कुमार शर्मा

ान की नींव रखी है।

## पर्यावरण से जोड़ता है हिन्दी साहित्य : टंडन



हंसराज कॉलेज में पौधरोपण किया गया।

**नई दिल्ली।** दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय में हिन्दी साहित्य परिषद् द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर 'हिन्दी साहित्य और पर्यावरण विषय' पर परिचर्चा का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम विभिन्न कार्यों को समेटते हुए एक सप्ताह तक चलेगा।

यह कार्यक्रम हंसराज महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रमा के सान्निध्य में आयोजित हुआ जिसके मुख्य वक्ता प्रो. पूरनचंद टंडन थे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई जिसमें महाविद्यालय की छात्राएं स्वाती तिवारी, उमा मिश्रा, अफ़शा एवं शिवानी ने भाग लिया। वहीं हिन्दी साहित्य परिषद् के परामर्शदाता डॉ. राजेश शर्मा ने आए हुए अतिथियों व श्रोताओं के प्रति स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि प्रो. पुरनचंद टंडन ने अपने वक्तव्य में हिन्दी के इतिहास समेत राज्य भाषा बनने तक की कहानी बताई। हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा ने कहा कि हंसराज कॉलेज पर्यावरण के साथ साहित्य को भी हरा भरा बनाए रखेगा।

इसके लिए हमारे कॉलेज के वर्तमान छात्र समेत पूर्ववर्ती छात्र जो कि आज उपस्थित हुए हैं, सदैव अग्रणी भूमिका में रहते हैं। प्रध्यापक महेन्द्र प्रजापति ने वर्तमान एवं पूर्ववर्ती छात्रों को सदैव एक प्राध्यापक एक छात्र की तरह सहयोग करते रहने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजमोहिनी सागर ने किया।

हंसराज महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा संचालित हिंदी साहित्य परिषद ने 14 सितंबर 2019 को हिंदी दिवस के अवसर पर 'हिंदी साहित्य और पर्यावरण विषय ' पर परिचर्चा का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम हंसराज महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. रमा के सान्निध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. पूरनचंद टंडन जी को आमंत्रित किया गया। जिन्होंने अपने वक्तव्य में हिंदी के इतिहास समेत राज्य भाषा बनाने तक की कहानी बताई। और उन्होंने बताया जिस प्रकार शिक्षा हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती है ठीक उसी प्रकार वृक्ष भी, पर्यावरण को स्वच्छ तथा बचाने के लिए पौधो का लगाना आवश्यक कार्य हैं तथा इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को एक-एक पौधा गोद दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई। कॉलेज की प्राचार्या प्रो रमा ने कहा कि हंसराज कॉलेज पर्यावरण के साथ साहित्य को भी हरा-भरा बनाए रखेगा। हंसराज महाविद्यालय के प्राध्यापक महेंद्र

प्रजापति ने वर्तमान एवं पूर्ववर्ती छात्रों को सदैव एक प्राध्यापक एक छात्र की तरह सहयोग करते रहने की बात करें । कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन हंसराज महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. राजमोहिनी सागर ने किया।